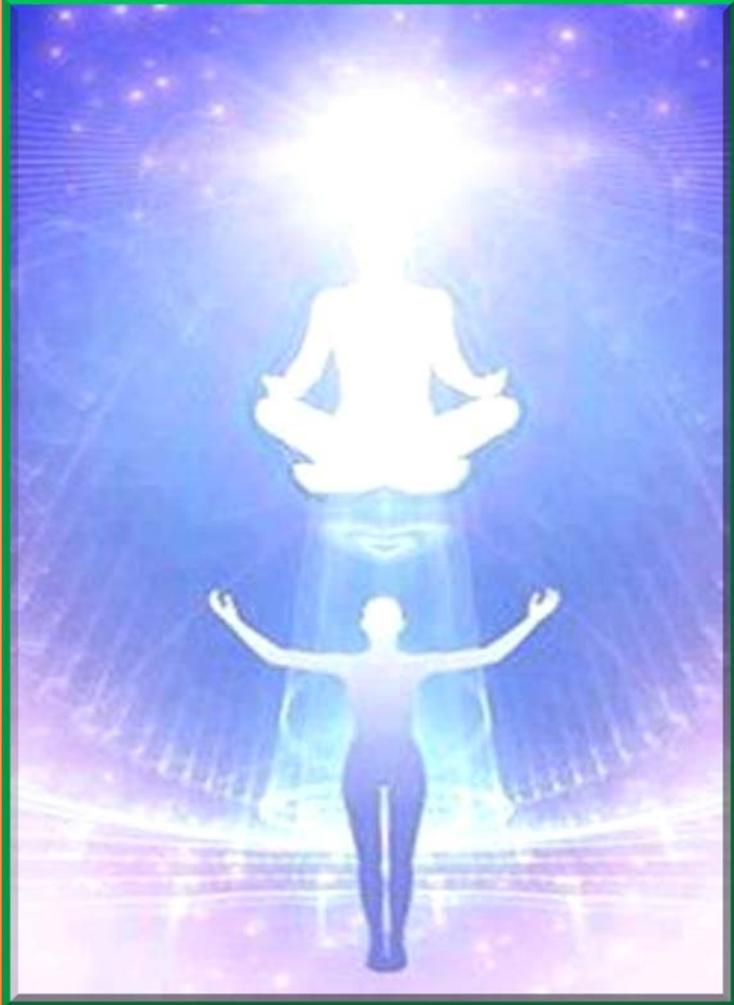


मास्टर सर्वशक्तिमान-शिवशक्ति स्वरूप की अनुभूती

ब्रह्माकुमारिज्ञ प्रस्तुति



ब्र. कु. प्रफुल्लचंद्र



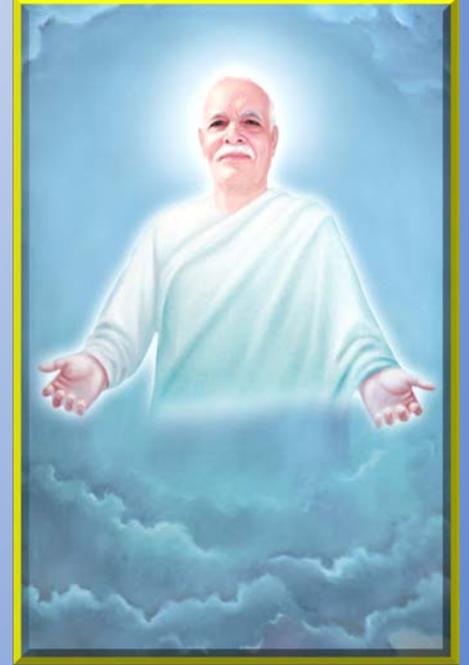
बाबा ने हम बच्चों को वरदान दिया है की तुम

शक्ति स्वरूप हो



मास्टर सर्व शक्तिमान हो

सर्व शक्तिओं के भण्डार हो



शिवशक्ति स्वरूप हो

आए हम चेक करे इन वरदानो का हमने इस
ब्राह्मण जीवन में कितना आत्मसात किया है

मास्टर सर्व शक्तिमान की मुख्य निशानियाँ

वह रूलिंग पावर और कंट्रोलिंग पावर से सज्ज होगा और उसका अपने मन और बुद्धि पर पूर्ण नियंत्रण होगा।

वो अष्टशक्ति संपन्न अष्टभुजा धारी होगा और कहा, कब, कौनसी शक्ति का कितना प्रयोग करना है उसकी स्पष्ट समझ उसमें होगी।

वो अचल होगा अडोल होगा, किसी भी परिस्थिति में अपनी अवस्था को बना के रखेगा।



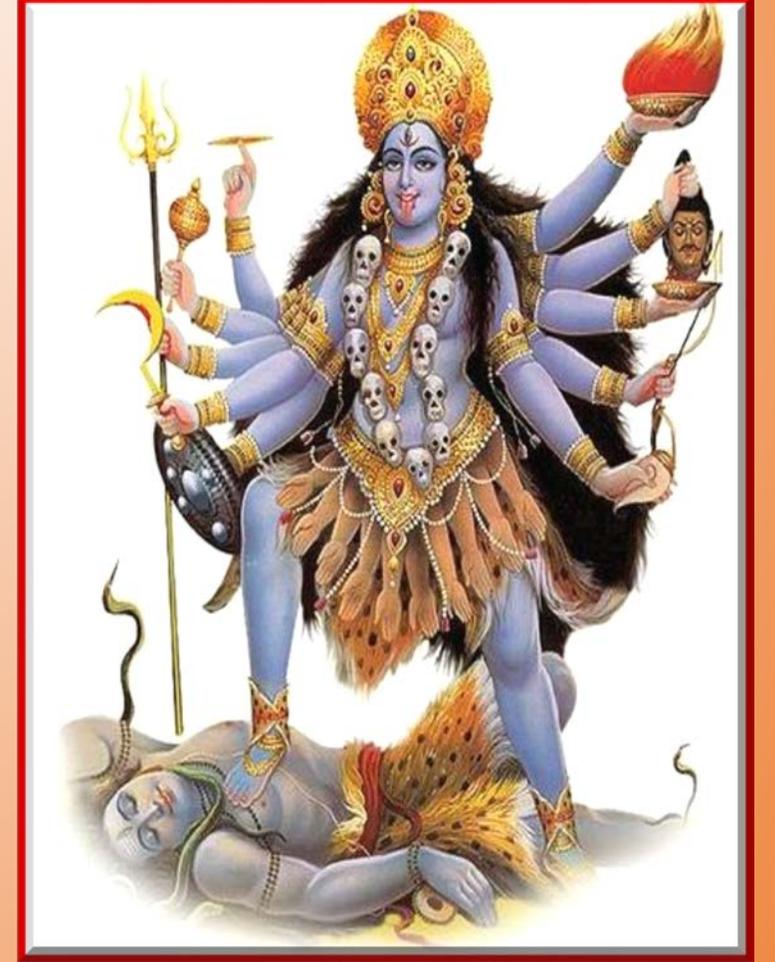
विशेष तीन शिवशक्ति स्वरूप की अनुभूति



धन संपदा-समृद्धि की
देवी श्री लक्ष्मी



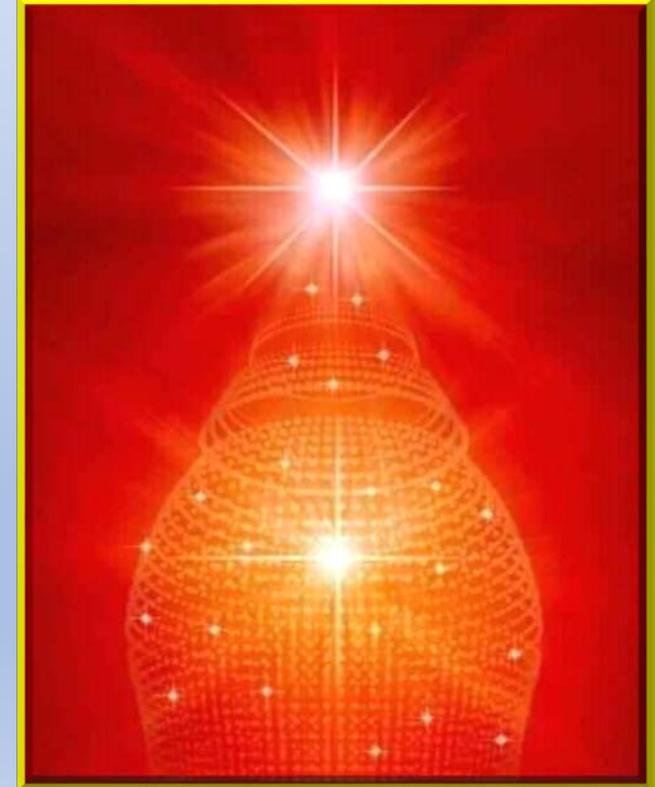
ज्ञान-विज्ञान की देवी
श्री शारदा



शक्ति सम्पन्नता की
देवी श्री माँ काली

मास्टर सर्वशक्तिमान-शिव शक्ति स्वरूप की अनुभूति के योगाभ्यास के क्रमिक सोपान

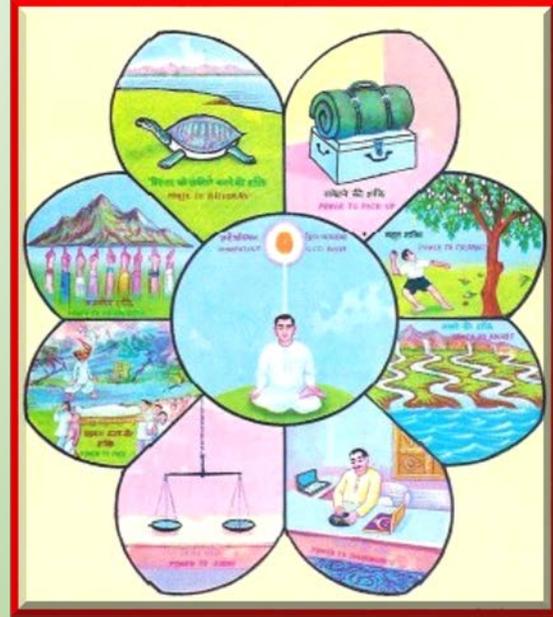
- रिलेक्स होकर अन्तरमुखी बन, आत्मदर्शन कर अपने आत्मिक स्वरूप की स्मृति में स्थित होना और अपने शक्ति स्वरूप के स्वधर्म में स्थित हो कर मास्टर सर्वशक्तिमान की अनुभूति करना।
- अपने स्थूल एवं सूक्ष्म शरीर को पीछे धरती पर छोड़ कर अपनी बीजरूप अवस्था में स्थित होना और परमधाम तरफ की अंतरिक्ष यात्रा का आनंद लेते हुए परमधाम में स्थित हो जाना।
- परमधाम में शक्ति सागर, सर्वशक्तिमान प्यारे बाबा से मिलन मनाना और पवित्रता से और सर्वशक्तियों से भरपूर होना।



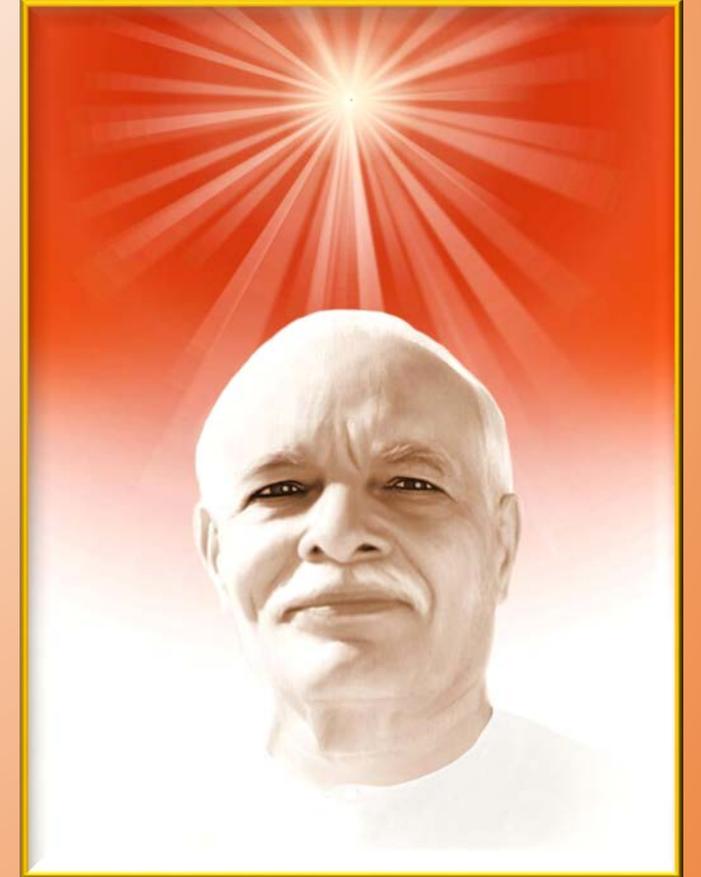
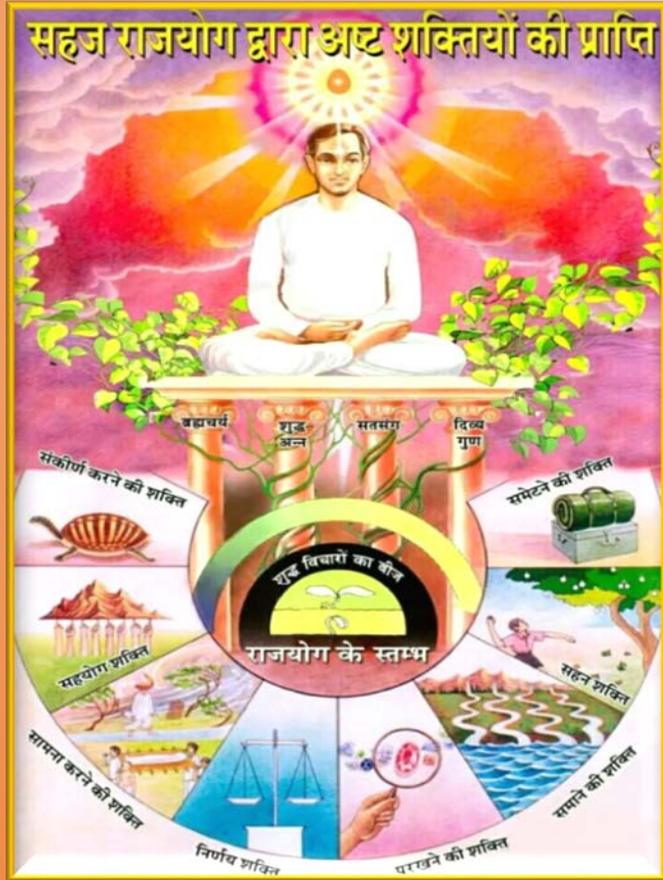
■ शक्तिओं से संपन्न हो कर, परमधाम को छोड़ कर पुनः साकार लोक में प्रवेश करना और पृथ्वी की ओर आगे बढ़ना और अपने शरीर में पुनः स्थित हो जाना।

■ मास्टर सर्व शक्तिमान की स्थिति में स्थित हो कर अपनी तिन शिवशक्ति स्वरूप को इमर्ज करना और विविध शक्ति को इमर्ज कर विविध परिस्थितियों में उसका सही समय पर सही उपयोग-प्रयोग करने की अनुभूति करना।

■ अंत में सारे विश्व की सभी आत्माओं को सर्व शक्तियों से संपन्न करने की मनसा सेवा करना और अपनी चारों ओर अपनी शक्तियों से एक सुरक्षा कवच का सर्जन करना।



ॐ शांति



धन्यवाद